NEERAJ®

संभारण प्रबंधन

(Logistics Management)

B.P.A.S.-184

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Syllabus of

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Harmeet Kaur*

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 280/-

Content

संभारण प्रबंधन
(Logistics Management)

Question Paper—June-2024 (Solved) 1

Question Paper—December-2023 (Solved) 1

Question Paper—June-2023 (Solved) 1

Question Paper—December-2022 (Solved) 1

Question Paper—Exam Held in July-2022 (Solved) 1

Sample Question Paper—1 (Solved) 1

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page

संभारण प्रबंधन का परिचय (Introduction to Logistics Management)

1. संभारण : अवधारणा, सिद्धांत और प्रकार 1
   (Logistics: Concept, Principles and Forms)

2. संभारण प्रबंधन : अवधारणात्मक ढाँचा, कार्यक्षेत्र और महत्त्व 11
   (Logistics Management: Conceptual Framework, Scope and Importance)

3. संभारण और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन–अंत:संबंध 22
   (Logistics and Supply Chain Management–Inter Relationship)

संभारण प्रबंधक : घटक (Logistics Management : Components)

4. संभारण प्रबंधन चक्र 30
   (Logistics Management Cycle)

5. सामग्री की प्राप्ति और वस्तु सूची नियंत्रण 42
   (Procurement of Material and Inventory Control)

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page
6.	सामग्री हैंडलिंग और पैकेजिंग (Material Handling and Packaging)	55
7.	परिवहन, भांडागारण और भंडारण (Transportation, Warehousing and Storage)	69
8.	सूचना की निगरानी (Information Monitoring)	79
9.	संभारण सूचना प्रणाली (Logistics Information System)	90
	संभारण प्रबंधन : उभरती प्रवृत्तियाँ (Logistics Management : Emerging Trends)	
10.	ग्राहक संतुष्टि (Customer Satisfaction)	100
11.	हरित संभारण (Green Logistics)	109
12.	संभारण प्रबंधन आउटसोर्सिंग : मुद्दे (Outsourcing Logistics Management: Issues)	121
13.	प्रभावशाली संभारण प्रबंधन : चुनौतियाँ (Effective Logistics Management: Challenges)	135

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

संभारण प्रबंधन

(Logistics Management)

B.P.A.S.-184

समय : 2 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग-क

प्रश्न 1. संभारण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसके प्रकारों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-1, पृष्ठ-1, 'संभारण की अवधारणा : एक अवलोकन'

प्रश्न 2. आपूर्ति शृंखला प्रबंधन के क्षेत्र में चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-3, पृष्ठ-26, प्रश्न 4

प्रश्न 3. ''संभारण प्रबंधन चक्र में प्रमुख आंतरिक गतिविधियाँ हैं।'' विस्तृत कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-4, पृष्ठ-31, 'संभारण प्रबंधन चक्र के क्रियाकलाप'

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर दीजिए–

(क) संभारण प्रबंधन का कार्यक्षेत्र

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-2, पृष्ठ-12, 'संभारण प्रबंधन का कार्यक्षेत्र'

(ख) सामग्री प्रबंध प्रणाली

उत्तर–सामग्री प्रबंध प्रणाली एक कम्प्यूटर प्रोग्राम है, जिसकी मदद से डिजिटल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्ट को बनाया, संपादित, प्रबंधित, खोजा तथा प्रकाशित किया जा सकता है। इसे वेब कंटेंट मैनेजमेंट, डिजिटल असेट मैनेजमेंट, डिजिटल रिकॉर्ड्स मैनेजमेंट तथा इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट मैनेजमेंट जैसे नामों से जाना जाता है। सामग्री प्रबंधन प्रणाली में डिजिटल कंटेंट को आमतौर पर डेटाबेस में स्टोर किया जाता है तथा वेबसाइट के टेम्प्लेट के आधार पर प्रेजेंटेशन लेयर में दिखाया जाता है। सामग्री प्रबंधन प्रणाली में कई कार्य होते हैं, जिससे कई योगदानकर्ता एक ही जैशबोर्ड से कंटेंट बना सकते हैं, उसे संपादित कर सकते हैं तथा इसे प्रकाशित कर सकते हैं। सामग्री प्रबंधन प्रणाली कई कार्य-धाराओं को एकीकृत करके उपयोगकर्ता को कहीं से भी डिजिटल कंटेंट बनाने में मदद करती है। सामग्री प्रबंधन प्रणाली से कंटेंट को व्यवस्थित तथा सुलभ रखा जा सकता है, जिससे इसका सही तरीके से दोबारा उपयोग किया जा सके। सामग्री प्रबंधन प्रणाली के कई तरह के वर्जन होते हैं, जैसे–क्लाउड-आधारित और हेडलेस सामग्री प्रबंधन प्रणाली। अक्टूबर, 2021 तक, वर्डप्रेस सामग्री प्रबंधन प्रणाली का उपयोग सबसे ज्यादा वेबसाइटों पर होता था। इसके अलावा जूमला, शॉपिफाई तथा विक्स भी सामग्री प्रबंधन प्रणाली के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

भाग-ख

प्रश्न 5. परिवहन और भण्डारण में प्रयोग होने वाले दस्तावेजों के प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-7, पृष्ठ-73, प्रश्न 4

प्रश्न 6. ''सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रणाली की संभारण प्रबंधन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।'' टिप्पणी कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-8, पृष्ठ-79, 'संभारण सूचना', पृष्ठ-80, 'संभारण में सूचना प्रौद्योगिकी', अध्याय-9, पृष्ठ-94, प्रश्न 4

प्रश्न 7. उन तरीकों की चर्चा कीजिए, जिनसे ग्राहक सफलता प्राप्त कर सकता है।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-10, पृष्ठ-103, प्रश्न 4

प्रश्न 8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(क) हरित संभारण की चुनौतियाँ

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-11, पृष्ठ-111, 'हरित संभारण की चुनौतियाँ'

(ख) ग्राहक प्रबंधन

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-13, पृष्ठ-135, 'ग्राहक प्रबंधन'

■■

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

December – 2023

(Solved)

संभारण प्रबंधन

(Logistics Management)

B.P.A.S.-184

समय : 2 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग-I

प्रश्न 1. संभारण प्रबंधन के कार्यक्षेत्र तथा महत्त्व का परीक्षण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-2, पृष्ठ-14, प्रश्न 3, पृष्ठ-15, प्रश्न 4

प्रश्न 2. संभारण प्रबंधन चक्र के महत्त्वपूर्ण क्रियाकलापों को उजागर कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-4, पृष्ठ-31, 'संभारण प्रबंधन चक्र के क्रियाकलाप'

प्रश्न 3. वस्तुसूची नियंत्रण के वैचारिक ढाँचे तथा तकनीकों का परीक्षण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-5, पृष्ठ-43, 'वस्तु सूची नियंत्रण : वैचारिक ढाँचा', पृष्ठ-45, प्रश्न 3

प्रश्न 4. सामग्री हैण्डलिंग के महत्त्व को उजागर कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-6, पृष्ठ-61, प्रश्न 1

भाग-II

प्रश्न 5. संभारण सूचना प्रणाली की भूमिका की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-9, पृष्ठ-90, 'संभारण सूचना प्रणाली की भूमिका'

प्रश्न 6. हरित संभारण पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-11, पृष्ठ-112, प्रश्न 2

प्रश्न 7. 'संभारण कम्पनियों में कई प्रौद्योगिकीय विकास होते हैं।' टिप्पणी कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-13, पृष्ठ-139, प्रश्न 3

प्रश्न 8. ग्राहक की सफलता के महत्त्वपूर्ण पहलुओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-10, पृष्ठ-103, प्रश्न 4

■■

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

संभारण प्रबंधन
(Logistics Management)

संभारण : अवधारणा, सिद्धांत और प्रकार
(Logistics: Concept, Principles and Forms)

1

परिचय

संभारण व्यवस्था का उद्देश्य सही सामान को, सही मात्रा में उपयुक्त स्थिति में, सही स्थान, समय और कीमत पर आपूर्ति करना है। किसी भी संगठन में माल और सेवाओं के उत्पादन और वितरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां काफी महत्त्वपूर्ण मानी गई हैं। यह किसी संगठन में वस्तुओं और सामग्री के प्रवाह से संबंधित होता है। संभारण प्रबंधन की शुरुआत कच्चे माल के संचय के साथ होती है और माल को पहुँचाना इसका अंतिम चरण होता है। इसमें भौतिक वितरण और भौतिक आपूर्ति को भी शामिल किया गया है। संभारण के कई प्रकार हो सकते हैं, जैसे–व्यापार संभारण, सैन्य संभारण, आयोजन संभारण और सेवा संभारण। संभारण के विभिन्न सिद्धांत और गतिविधियां हैं। संभारण को भीतर संभारण और बहिर्गामी संभारण में वर्गीकृत किया जाता है।

अध्याय का विहंगावलोकन

संभारण की अवधारणा : एक अवलोकन

संभारण अंग्रेजी शब्द लॉजिस्टिक का हिंदी रूपांतरण है। लॉजिस्टिक की उत्पत्ति ग्रीक शब्द Logos और फ्रेंच शब्द Loger से हुई, जिनका क्रमशः अर्थ ऑर्डर और सैन्य गतिविधि से है। संभारण की उत्पत्ति का स्वरूप सैनिकों को प्रावधानों, गोला बारूद और ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित करने हेतु और अन्य गतिविधियों सहित सैन्य से संबंधित है। सैन्य संचालन के अन्य पहलू हैं, जैसे–

1. सामग्री की रूपरेखा, विकास, प्राप्ति, भंडारण, संचालन, वितरण, रख-रखाव, निकासी सामग्री का निपटान।
2. कर्मियों का संचालन, निकासी अस्पताल में भर्ती।
3. सुविधाओं का निर्माण, रख-रखाव, संचालन और निपटान।
4. सेवाओं को प्राप्त करना।

व्यापार के स्वरूप में संभारण उपभोक्ताओं की जरूरतों की पूर्ति हेतु, मूल बिंदु और उपभोग बिंदु के मध्य वस्तुओं के प्रवाह का प्रबंधन है। सबसे पहले बेबीलोनियो द्वारा 2000 ई.पू. सैन्य टुकड़ी का संभारण प्रबंधन किया गया था।

संभारण का विकास–1765 में भाप चालित ईंधन का आविष्कार बड़े स्तर पर उत्पादन का उत्तरदायी कारक बना। विभिन्न उत्पादों का रूपांतरण 1801 में हुआ, जैसे–उत्पाद, हथियार, घड़ियां और सिलाई मशीन। दूसरी औद्योगिक क्रांति में पहली औद्योगिक क्रांति की अपेक्षा परिवहन और संचार में परिवर्तन हुआ। 19वीं शताब्दी में एफ.डब्ल्यू. टेलर का 'कार्य का सावधानीपूर्वक विभाजन' और फोर्ड का संचालन, उत्पादन आदि काफी उपयुक्त थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संभारण का विकास सैन्य क्षेत्र के रूप में व्यापक हुआ। 1980 तक संभारण का विकास सामग्रियों के संचालन एवं नई अवधारणाओं सहित महत्त्वपूर्ण माना गया, जैसे–

1. सामग्री प्रबंधन, कच्चे माल, कलपुर्जों और आपूर्तियों की सही समय पर उपलब्धि होना।
2. भौतिक वितरण, कंपनी द्वारा तैयार उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुँचाना।

2000 तक संभारण के तकनीकी क्षेत्र में नवाचार आए। इसमें वैश्विक स्तर की कंपनियां शामिल हुई, जो बाजारों में अपने उत्पादों को पेश करती हैं, जिसमें वर्तमान उपभोक्ता नवोत्पाद की इच्छा रखते हैं, ताकि इन्हें सही समय, मूल्य और स्थान पर इच्छित मात्रा के साथ सही वस्तु मिले। यह कार्य संभारण प्रबंधन द्वारा संपूर्ण किया जा रहा है।

संभारण के विकास को निम्नलिखित कारक प्रभावित करते हैं, जैसे–

1. कंप्यूटर तकनीक में प्रगति,
2. मात्रात्मक तकनीक,
3. सिस्टम उपागम का विकास,
4. कुल लागत विश्लेषण तथा
5. संभारण की भूमिका को मान्यता।

संभारण के प्रकार–संभारण के प्रमुख प्रकार हैं–

1. व्यापार संभारण,
2. सैन्य संभारण,
3. आयोजन संभारण,
4. सेवा संभारण।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

संभारण से संबंधित कुछ मुख्य शब्द–संभारण से संबंधित कुछ मुख्य शब्द विशेष अर्थ रखते हैं, जैसे–

1. आपूर्ति, वस्तुएं, माल, उत्पाद और स्टॉक,
2. प्रयोक्ता, उपभोक्ता और ग्राहक,
3. केंद्रीय विवरण केंद्र,
4. सेवा वितरण पॉइंट,
5. वस्तु,
6. पाइपलाइन तथा
7. समय सीमा/लीड समय।

संगठन में संभारण की भूमिका और कार्य–संगठन में संभारण की प्रमुख भूमिका है और इसके कार्यक्षेत्र में शामिल हैं। माल खरीदना, सूची प्रबंधन, उत्पादन प्रबंधन, संचालन नियंत्रण, मांग प्रबंधन, दीर्घकालिक योजना। इसमें सेवा क्षेत्र के कार्य भी शामिल हैं। इसमें किसी भी व्यवसाय में आपूर्तिकर्ताओं से लेकर उपभोक्ताओं तक तैयार उत्पादों की डिलीवरी और बिक्री के बाद की सेवा का अध्ययन शामिल है। संभारण अवधारणा में शामिल हैं–

1. ग्राहक संतुष्टि–आपूर्तिकर्ता, मध्यवर्ती ग्राहक, अंतिम ग्राहक,
2. उत्पाद, मूल्य, संवर्धन, स्थान तथा
3. दीर्घकालीन लाभप्रदत्ता को अधिकतम करके फर्म को लाभ प्रदान करना, ग्राहक सेवा के स्वीकार्य स्तर को देखते हुए कुल लागत।

प्रणाली दृष्टिकोण–संभारण की अवधारणा व्यवस्था दृष्टिकोण पर आधारित है। संभारण कम लागत पर ग्राहकों की संतुष्टि का उद्देश्य रखता है, जिसमें दक्षता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है। इसे आपूर्तिकर्ता के उत्पाद को ग्राहक तक पहुँचाने की श्रृंखला के रूप में प्रदर्शित किया गया है। संभारण के कार्यात्मक क्षेत्रों में शामिल हैं–1. सूचना प्रवाह, 2. भंडारण हाउसिंग, 3. वस्तु/माल सूची नियंत्रण, 4. पैकिंग करना तथा 5. परिवहन।

संभारण के सिद्धांत, गतिविधियां और वर्गीकरण

संभारण का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि और कम-से-कम लागत है। संभारण प्रबंधन द्वारा इन लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है।

संभारण के सिद्धांत–प्रारंभ में संभारण को एक अभिरक्षी गतिविधि माना जाता था, परंतु बाद में ग्राहकों की सामग्री के कुशल संचालन के आधार पर इस विचार में बदलाव आया। संभारण के निम्नलिखित सिद्धांत हैं–

1. सही सामग्री/उत्पाद की उपलब्धता,
2. सही सामग्री/सेवा उपयुक्त मात्रा में उपलब्धता,
3. सही स्थिति की उपलब्धता,
4. सही समय की उपलब्धता,
5. सही स्थान की उपलब्धता,
6. सही लागत की उपलब्धता तथा
7. सही ग्राहक की उपलब्धता।

उपर्युक्त सिद्धांत सही कुशलता, विश्वसनीय, प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता, लचीलापन आदि के उच्च स्तर को दर्शाते हैं।

प्रमुख संभारण गतिविधियां–एक संगठन की प्रमुख संभारण गतिविधियां निम्नलिखित हैं–

1. ऑर्डर पूर्ति प्रक्रिया,
2. आपूर्ति,
3. सामग्री-संचालन,
4. भंडारण,
5. वस्तु माल सूची नियंत्रण,
6. परिवहन,
7. पैंकिंग तथा
8. सूचना।

संभारण का वर्गीकरण–संभारण को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है–

1. भीतर या प्रतिस्रोत संभारण–इसमें शामिल गतिविधियां हैं, सोर्सिंग, अधिग्रहण प्राप्त करना, भंडारण और उत्पाद या सेवा विभाग को कच्चे माल और उत्पाद पहुँचाना।

2. बहिर्गामी या अनुप्रवाह संभारण–इसमें शामिल गतिविधियां हैं–चयन अयोज्य और ढलाई।

संभारण के परिचालन–संबंधी उद्देश्य

संभारण के परिचालन संबंधी उद्देश्यों में शामिल हैं–कम-से-कम लागत पर ग्राहक सेवा, त्वरित अनुक्रिया, न्यूनतम विचरण, न्यूनतम माल-सूची, संचालन सुदृढ़ीकरण, गुणवत्ता और जीवन चक्र सहायता आदि।

1. त्वरित/तत्काल अनुक्रिया–त्वरित अनुक्रिया कंपनी की ग्राहक सेवा जरूरतों को समय पर पूरा करने की क्षमता से संबंधित है।

2. न्यूनतम भेद/परिवर्तन–न्यूनतम भेद और परिवर्तन एक संभारण प्रणाली के निष्पादन को एक अप्रत्याशित घटना के रूप में बाधित करती है।

3. न्यूनतम वस्तु/माल सूची–न्यूनतम वस्तु या माल सूची का उद्देश्य एक साथ वांछित परिचालन उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए माल सूची को न्यूनतम स्तर तक कम करना है।

4. संचालन सुदृढ़ीकरण–संचालन सुदृढ़ीकरण में संचालन प्रक्रिया को मजबूत बनाया जाता है।

5. गुणवत्ता में सुधार–संभारण उद्देश्य गुणवत्ता सुधार में जागरूक होकर, गुणवत्ता सुधारने के प्रयास की खोज करती है, क्योंकि किसी भी कंपनी का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि को अधिकतम करना है, जो कि गुणवत्ता द्वारा संभव है।

6. जीवन-चक्र सहायता–संभारण रूपरेखा का अंतिम उद्देश्य जीवन-चक्र का समर्थन है। इसमें किसी उत्पाद को वापिस लेना बढ़ती गुणवत्ता के मानकों, उत्पाद की समाप्ति तिथि और गंभीर परिणामों से उत्पन्न निर्णय की योग्यता है।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

संभारण के प्रकार

संभारण के निम्नलिखित पाँच प्रकार हैं–

1. प्राप्ति संभारण–यह कच्चे माल, सामग्री और पुर्जों को प्राप्त करने से संबंधित है।

2. उत्पादन संभारण–उत्पादन संभारण सामग्री प्रबंधन, उत्पाद प्रबंधन और पोत परिवहन से संबंधित है।

3. बिक्री संभारण–बिक्री संभारण गोदाम से थोक विक्रेताओं, खुदरा वितरकों और ग्राहकों तक उत्पादों की सुपुदर्गी से संबंधित है।

4. पुनः प्राप्ति संभारण–यह उत्पादों, कंटेनरों और पैकिंग की पुन:प्राप्ति और पुन:चक्रण से संबंधित है।

5. पुन:चक्रण संभारण–पुन:चक्रण पुन:प्राप्ति और पुन:चक्रण प्रक्रिया से संबंधित हैं।

संभारण की उर्ध्वास्तर और एकीकृत व्यवस्थाएं हैं, जिनके प्रत्येक के लाभ और हानियां हैं। इसलिए कंपनी द्वारा अपनी आवश्यकताओं, परिचालन की प्रकृति के आधार पर उपयुक्त संभारण व्यवस्था को अपनाना चाहिए।

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. संभारण प्रबंधन का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर–सामान्य शब्दों में, शब्द प्रबंधन का अर्थ ऐसी प्रक्रिया से है, जिसके तहत माल, सेवाओं या सूचनाओं को योजनाबद्ध तरीके से उत्पत्ति वाली जगह से उपयोग वाली जगह पर भेजा जाता है। संभारण प्रबंधन में संसाधनों और उत्पादों का प्रबंधन किया जाता है। ई-कॉमर्स उपक्रमों के साथ यह ग्राहकों को शिपिंग ऑर्डर देने या इवेंट्री को मर्चेंट तक पहुँचाने की प्रक्रिया है, जो कि माल परिवहन और डिलीवरी के बिंदु तक निगरानी करता है। संभारण विभिन्न तत्वों में तालमेल बिठाता है, जैसे कि माल का रख-रखाव, वस्तु सूची, परिवहन, गोदाम और सुरक्षा के साथ सूचना का एकीकरण है। यह माल के कुशल और प्रभावकारी परिवहन और संग्रहण के लिए योजना प्रक्रिया, क्रियान्वयन और नियंत्रण प्रक्रियाओं से संबंधित है। संभारण शब्द अंग्रेजी शब्द लॉजिस्टिक का हिंदी रूपांतरण है। संभारण यानी लॉजिस्टिक शब्द ग्रीक शब्द Logos से बना है, जिसका अर्थ है, जो ऑर्डर को निरूपित करता है। लॉजिस्टिक शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच शब्द Loger से हुई है, जिसका अर्थ है सैन्य संबंधित गतिविधियां, जैसे कि सैन्य गतिविधि, आपूर्ति और रख-रखाव से संबंधित है, क्योंकि सैनिकों को प्रावधानों, गोला बारूद और ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त क्रियाविधि के अध्ययन के महत्त्व के कारण, एक स्थान से दूसरे स्थान में जाने और लड़ने की सुविधा के कारण इस विषय विशेष को महत्त्व प्राप्त हुआ है, इसलिए संभारण की उत्पत्ति का स्वरूप सैन्य से संबंधित है। संभारण में सैन्य संयोजनों के प्रत्येक पहलू को शामिल किया गया है, जो कि विभिन्न कार्य करते हैं, जैसे–सामग्री की रूपरेखा, निकासी, सामग्री का निपटान, कर्मियों का संचालन, निकासी और अस्पताल में भर्ती। इसके अन्य कार्यों में शामिल हैं, सुविधाओं की प्राप्ति या निर्माण, रख-रखाव, संचालन और निपटान तथा सेवाओं की प्राप्ति या प्रस्तुत करना। इस प्रकार संभारण प्रबंधन माल के कुशल और प्रभावकारी परिवहन और संग्रहण के लिए योजना प्रक्रिया, क्रियान्वयन और नियंत्रण प्रक्रियाओं से संबंधित है।

संभारण प्रबंधन प्रक्रिया की शुरुआत कच्चे माल के संचय से शुरू होती है, जो ग्राहक तक माल पहुँचाने के अंतिम चरण में होती है। यह ग्राहकों की जरूरतों और उद्योग मानकों का पालन करके, रसद प्रबंधन प्रक्रिया की रणनीति, योजना और कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करता है। संभारण प्रबंधन एक कंपनी को इनबाउंड फ्रेट पर नियंत्रण देता है। इवेंट्री को उच्च स्तर पर रखता है। माल के रिवर्स फ्लो को व्यवस्थित करता है और उचित परिवहन साधनों पर माल चाल का उपयोग करता है। यह सभी कारक लागत में कटौती करने में सहायक हो सकते हैं। किसी भी व्यवसाय या उद्यम की सफलता के लिए संभारण प्रबंधन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें उद्यम के परिसर से बाहर निकलने और प्रवेश करने पर माल का सावधानीपूर्वक नियंत्रण शामिल हैं। इसका कार्य संगठन को पूरी तरह से सुचारु ढंग से चलाना है। हालांकि संभारण प्रबंधन एक जटिल संचालन का व्यापक रूप से व्यवस्थित और कार्यान्वयन है यानी इसे जटिल प्रक्रिया माना गया है। यदि इसे व्यापार के संदर्भ में देखा जाए तो यह उपभोक्ताओं या व्यापार संघों की जरूरतों की पूर्ति हेतु मूल बिंदु और उपभोग बिंदु के मध्य वस्तुओं के प्रवाह का प्रबंधन है। एक बेहतर यानी सही संभारण प्रबंधन के साथ हम अपना समय और पैसा बचाकर बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान कर सकते हैं, क्योंकि इसके कार्य सरलता से आपूर्ति श्रृंखला को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। सर्वप्रथम संभारण प्रबंधन बेबीलोनियो द्वारा लगभग 2000 ई.पू. में एक सैन्य टुकड़ी तैयार कर किया गया था।

प्रश्न 2. प्रमुख संभारण गतिविधियों को सूचीबद्ध कीजिए।

उत्तर–प्रमुख संभारण गतिविधियों की सूची निम्नलिखित है–

1. ऑर्डर पूर्ति प्रक्रिया–ऑर्डर पूर्ति प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियां हैं–ऑर्डर प्राप्त करना, उसकी व्यवस्था करना, फाइलबद्ध करना व लिखना। यह संभारण का महत्त्वपूर्ण चरण होता है। व्यापारी संगठन ग्राहक द्वारा ऑर्डर प्राप्त करता है। गोदाम को ऑर्डर देते हैं। यह प्रक्रिया सटीक, विश्वसनीय और तीव्र होनी चाहिए, क्योंकि इस स्तर में कोई भी संपूर्ण संभारण को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, जैसे कि माल की मात्रा कितनी और माल पहुँचाने के लिए वितरण पता आदि।

2. आपूर्ति–आपूर्ति संभारण की एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि से संबंधित है, जैसे कि बाहरी आपूर्तिकर्ताओं से सामग्री प्राप्त करना, आपूर्ति सोर्सिंग, बातचीत, ऑर्डर देना, इनबाउंड ट्रासपोर्टेशन, प्राप्त करना, निरीक्षण, भंडारण और संचालन।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

3. सामग्री संचालन–माल की व्यवस्था करना, गोदाम के ही माल का संचालन है। इसमें सामग्री का संभालन और संचालन किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि गोदाम प्राप्त ऑर्डरों पर कुशलतापूर्वक प्रक्रिया कर रहा है। इसमें गोदाम के भीतर सामग्री को व्यवस्थित करना महत्त्वपूर्ण होता है, ताकि आसान संचालन और प्रेषण को बढ़ावा दिया जा सके। सामग्री प्रबंधन की व्यवस्थाएं तीन प्रकार की होती हैं–मशीनी, अर्ध-स्वचालित और स्वचालित।

4. भंडारण–संभारण की एक प्रमुख गतिविधि भंडारण है। भंडारण को वैयरहाउसिंग भी कहा गया है। इसमें माल बिक्री होने तक गोदाम यानी वेयरहाउस में स्टोर करके रखा जाता है। बड़ी कंपनियों हेतु विनिर्माण एक जगह पर भी हो सकता है, इसलिए गोदाम डीलर के नजदीक होना चाहिए, ताकि सामानों व उत्पादों को आसानी से डिलीवरी स्थान पर पहुँचाया जा सके।

5. वस्तु माल-सूची नियंत्रण–संभारण को एक प्रमुख गतिविधि वस्तु माल-सूची नियंत्रण है। यह वह स्टॉक है, जो कि ग्राहक की आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार कर रखा जाता है। इसकी वहन लागत कम-से-कम होनी चाहिए। मांग पर निरंतर निगरानी रखी जा सकती है और प्राप्ति के लिए विनिर्माण के लिए कम निवेश कर आपूर्ति हेतु तैयार किया जा सकता है, इसलिए सूची को सही रखना चाहिए। यदि निवेश इन्वेंट्री पर अधिक होगा तो ऑर्डर का नुकसान होने की संभावना बढ़ेगी।

6. परिवहन–संभारण की प्रमुख गतिविधियों में परिवहन को शामिल किया गया है। परिवहन में शामिल है डीलर और डीलर के अंतिम ग्राहक तक माल की भौतिक डिलीवरी। इसमें संगठन का धन अधिक खर्च होता है। इसलिए कंपनी का माल गोदाम और माल-सूची प्रबंधन जितना बेहतर होगा यानी जितना पास होगा, परिवहन पर उतना ही कम खर्च होगा। परिवहन एक खर्चीली गतिविधि है।

7. पैकिंग–संभारण की एक अन्य प्रमुख गतिविधि पैकिंग है, क्योंकि संभारण टीम का उत्तरदायित्व उत्पाद की पैकिंग का होता है। इसमें लापरवाही उत्पाद को अंतिक ग्राहक तक क्षतिग्रस्त स्थिति में पहुँचा सकती है। पैकिंग सामान्य और परिवहन पैकिंग हो सकती है। सामान्य पैकिंग को ग्राहक आकर्षक होकर उत्पाद को खरीदता है। यह दुकानों पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए की जाती है। जबकि परिवहन पैकिंग में उत्पाद चूँकि थोक में पैक किए जाते हैं, इसलिए इसको टूट-फूट या रिसाव के साथ परंतु सुरक्षित ले जाया जाता है।

8. सूचना–सूचना व्यवस्था संभारण की प्रमुख गतिविधि है, परंतु ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तकनीकी उपकरणों का उपयोग विभिन्न में सहायक होता है, जैसे–सूचना पहचान, पहुँच, भंडारण, विश्लेषण, पुनर्प्राप्ति और निर्णयन, क्योंकि यह माल सूची क्रिया की सूचना आधारित गतिविधि है, इसलिए उनकी प्रतिस्पर्धा को बढ़ाती है।

प्रश्न 3. संभारण का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर–वर्गीकरण के आधार पर संभारण के निम्नलिखित दो प्रकार हैं–

1. भीतर या प्रतिस्रोत संभारण–भीतर या प्रतिस्रोत संभारण किसी उद्योग के इनबाउंड या अपस्ट्रोक संभारण से संबंधित है। भीतर संभारण से संबंधित गतिविधियों में शामिल हैं–सोर्सिंग, अधिग्रहण, प्राप्त करना, भंडारण और उत्पाद या सेवा विभाग को कच्चा माल और पुर्जे पहुँचाना आदि। इनबाउंड संभारण के तहत अपनी कंपनी में माल बनने के लिए माल आता है, जो कि कुछ भी हो सकता है, जैसे–स्टील, लकड़ी, लोहा या अन्य उत्पाद। यह विनिर्माण कंपनी के लिए परिचालन का प्रमुख भाग होता है। इसमें आपूर्तिकर्ताओं द्वारा संयंत्र तक सामग्री और अन्य निवेशों का सुचारु और लागत प्रभावी प्रवाह जरूरी है, जो कि विनिर्माण प्रक्रिया में आवश्यक है। प्रबंधन को आपूर्तिकर्ताओं या विक्रेताओं के साथ निरंतर मध्यस्थता बनाए रखनी चाहिए, ताकि इनबाउंड संभारण का उचित प्रबंधन हो सके। इनबाउंड संभारण में कच्चा माल फैक्ट्री में आता है और उसे हम उपयोगी उत्पाद बनाकर भेजते हैं। इनबाउंड संभारण को सामान्य शब्दों में एक बुनियादी गतिविधि माना गया है, जो कि विभिन्न कारकों पर केंद्रित है। इनमें शामिल किया है–आपूर्तिकर्ताओं से लेकर उत्पादन इकाई, गोदाम या खुदरा स्टोर की सामग्री, उपकरण और तैयार सामान को खरीदना और योजना बनाना। भीतर संभारण में मात्रा और विवरण पता आदि के आधार पर ऑर्डर प्राप्त करने, उसकी व्यवस्था करने, रिकार्डिंग जैसी गतिविधियां होती हैं, जिसमें ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त किए जाते हैं यानी गोदाम को ऑर्डर दिया जाता है। भीतर संभारण में बाहरी आपूर्तिकर्ताओं से सामग्री प्राप्त करना, जिसमें बातचीत, ऑर्डर देना, आपूर्ति सोर्सिंग और इनवाइड ट्रांसपोर्टेशन, प्राप्त करना, निरीक्षण, भंडारण और संचालन शामिल हैं। भीतर संचारण का अर्थ किसी उद्योग के आंतरिक संभारण से है।

2. आउटबाउंड बहिर्गामी या अनुप्रवाह संभारण–आउटबांउड या अनुप्रवाह संभारण को बहिर्गामी संभारण कहा गया है। आउटबाउंड संभारण विनिर्माण की संस्था से उपयोगकर्ता या खरीदारों तक के लिए अंतिम प्रारूप है, जिसमें तैयार माल, संबंधित सूचना प्रवाहों का संग्रह, भंडारण और वितरण शामिल हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आती हैं, जैसे–चयन, आयोजन और ढुलाई है। ये गतिविधियां विक्रेता से खरीदार तक व्यापार के परिणाम में शामिल होती हैं। आउटबाउंड या अनुप्रवाह संभारण में भौतिक वितरण प्रबंधन या आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन शामिल हैं कि कौन-सा तैयार माल कहां जाना है। कहने का अर्थ यह है कि कंपनी से तैयार माल और अन्य संबंधित जानकारी का प्रवाह ग्राहक तक करने से संबंधित है। इसमें परिवहन गतिविधि शामिल है, जहां वितरक या डीलर से माल अंतिम ग्राहक तक भौतिक डिलीवरी के तहत जाता है। हालांकि इस गतिविधि में धन की खपत होती

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com